HINDUSTAN PAGE 6

एलयू से सीबीसीएस की शुरुआत

नई शिक्षा नीति

मोहम्मद खालिद लाभ लेने वाले पहले छात्र

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2020-21 में नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना था। जिसके बाद अब विवि का दावा है कि जीव रसायन विज्ञान से एमएससी करने वाले छात्र मो. खालिद जमाली एनईपी के तहत मल्टीपल एंट्री एग्जिट का लाभ लेने वाले देश के पहले छात्र बन गए हैं। इसी के साथ एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री एग्जिट प्वाइंट का फायदा अपने छात्रों तक सीधे पहुंचाने वाला पहला विश्वविद्यालय भी एलयू बना है।

एलयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीबीसीएस के अंतर्गत किसी भी विद्यार्थी को 24 क्रेडिट के 4 सेमेस्टर करने होते हैं। 2 सेमेस्टर अर्थात 48 क्रेडिट अकादमिक क्रेडिट बैंक में प्राप्त करने के बाद छात्र पीजी डिप्लोमा ले सकता है। अगले 3 वर्ष में फिर चाहे तो शेष क्रेडिट प्राप्त कर परास्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकता है। छात्र के आवेदन पर कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने यह निर्देश जारी किया कि मोहम्मद खालिद जमाली को जीव रसायन में पीजी डिप्लोमा नियमतः उनके दूसरे सेमेस्टर के परिणामों के साथ प्रदान किया जाए। वह सीबीसीएस का लाभ लेने वाले पहले छात्र बने।

छात्र मोहम्मद खालिद जमाली ने जीव रसायन विभाग में 2020-21 में एमएससी में दाखिला लिया।

जानकारी के अनुसार खालिद ने हाल ही में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को आवेदन कर दो सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सीबीसीएस के प्रावधान और अकादमिक बैंक क्रेडिट के अनुपालन में एक वर्ष के 48 क्रेडिट पूर्ण कर पर जीव रसायन विषय में पीजी डिप्लोमा लेकर पढ़ाई अभी के लिए समाप्त का आग्रह किया। अगर उनका मन होगा तो वह आगे वापस पढ़ाई जारी रखेंगे अन्यथा नहीं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : एनईपी के तहत पहला छात्र लेगा एमएससी में पीजी डिप्लोमा

लखनऊ। पिछले साल अपने यहां पीजी कोर्स में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) लागू करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी का एक छात्र अपनी एक साल की पढ़ाई पूरी कर पीजी डिप्लोमा लेकर उच्च शिक्षा के लिए कहीं और जाना चाहता है। उसे विवि ने सहमति दे दी है। विवि प्रशासन का दावा है कि एकेडमिक क्रेडिट बैंक का लाभ देने वाला वह पहला विवि और यह पहला छात्र है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि सबसे पहले पिछले साल एनईपी के सभी आयामों को पाठ्यक्रम में शामिल कर सत्र 2020-21 में अपने पीजी कार्यक्रम में एकेडमिक क्रेडिट बैंक को लागू किया। अब एकेडमिक क्रेडिट बैंक व मल्टीपल इंट्री-एग्जिट का फायदा छात्रों को देने वाला पहला विवि भी बना है। सत्र 2020-21 में एमएससी में दाखिला लेने वाले बायोकेमेस्ट्री के छात्र मो. खालिद जमाली ने दो सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद एकेडमिक क्रेडिट बैंक के अनुपालन में एक साल के 48 क्रेडिट पूरे करने पर पीजी डिप्लोमा लेने की बात कही है। इसे स्वीकृत कर लिया गया है। कुलपति ने बताया कि पीजी में सीबीसीएस के तहत किसी भी विद्यार्थी को 24 क्रेडिट के 04 सेमेस्टर करने होते हैं। छात्र दो सेमेस्टर यानी 48 क्रेडिट अपने एकेडमिक क्रेडिट बैंक में प्राप्त कर लेने पर पीजी डिप्लोमा ले सकता है। हालांकि, अगले तीन वर्ष में वह फिर चाहे तो आकर बाकी क्रेडिट प्राप्त कर पीजी में डिग्री प्राप्त कर सकता है। प्रो. राय ने कहा कि मो. खालिद जमाली देश के पहले छात्र होंगे, जिन्हें नई शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदान की गई इस सुविधा का लाभ मिलेगा और लविवि देश का पहला ऐसा विवि होगा जो इसे प्रदान करेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

दावा, एकेडमिक क्रेडिट बैंक का लाभ देने वाला देश का पहला विवि

NBT PAGE 3

एनईपी से डिप्लोमा पाने वाले पहले छात्र बने मो. खालिद

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत परास्नातक पाठ्यक्रम में जीव रसायन विभाग के मो. खालिद जमाली को दूसरे सेमेस्टर के परिणामों के वाद जीव रसायन में डिप्लोमा दिया जाएगा। खालिद देश के पहले छात्र होंगे, जिन्हें एनईपी-2020 के तहत प्रदान की गई सुविधा का लाभ मिला है। इसके साथ ही एलयू देश का पहला ऐसा विवि होगा, जो इस तरह का डिप्लोमा देगा। खालिद ने एलयू के जीव रसायन विभाग में सत्र 2020-21 में एमएससी में दाखिला लिया था। हाल ही में उन्होंने दो सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के वाद सीबीसीएस के प्रावधान और अकादमिक बैंक क्रेडिट के अनुपालन में एक साल के 48 क्रेडिट पूरे किए हैं। अब उन्होंने फिलहाल पढ़ाई समाप्त करने के विषय में आग्रह किया है।

JAGRAN CITY PAGE I

एक साल की पढ़ाई, तीन साल का मौका

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की दिशा में सबसे आगे रहा। लविवि देश का पहला विवि बना, जहां सत्र 2020-21 में अपने परास्नातक कार्यक्रम में एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट और फ्लैक्सिबल मल्टीपल इंट्री व एक्जिट सिस्टम को पूरी तरह लागू किया गया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विवि के छात्र मोहम्मद खालिद जमाली ने जीव रसायन विभाग में सत्र 2020-21 में एमएससी में दाखिला लिया था। छात्र द्वारा दो सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के प्रविधानों और एकेडमिक बैंक क्रेडिट के तहत एक वर्ष के 48 क्रेडिट पूरे कर जीव रसायन विषय में पीजी डिप्लोमा लेकर पढ़ाई फिलहाल के लिए समाप्त करने का मांग की गई। सीबीसीएस के तहत किसी भी विद्यार्थी को 24 क्रेडिट के चार सेमेस्टर करने होते हैं। दो सेमेस्टर यानी 48 क्रेडिट पर अकादमिक क्रेडिट बैंक में प्राप्त कर लेने के बाद पीजी डिप्लोमा ले सकता है। अगले तीन वर्ष में फिर आकर शेष क्रेडिट प्राप्त कर परास्नातक की डिग्री हासिल कर सकता है।

कुलपति ने निर्देश जारी किया कि मो. खालिद जमाली को जीव रसायन में पीजी डिप्लोम उनके दूसरे सेमेस्टर के परिणामों की घोषणा के साथ दिया जाए। मोहम्मद खालिद देश के पहले छात्र होंगे, जिन्हें नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सुविधा मिली।

नई शिक्षा नीति के तहत छात्र ने सीबीसीएस का लिया लाभ, एनईपी का लाभ देने वाला लविवि बना देश का पहला विश्वविद्यालय

स्नातक वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू

लविवि की ओर से सोमवार से स्नातक वार्षिक और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू की गईं। 48 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि सुबह की पाली में बीए तृतीय वर्ष संस्कृत, फंग्शनल संस्कृत, फ्रेंच और उर्दू विषय की परीक्षा हुई। वहीं, बीए छठे सेमेस्टर की भी उर्दू, संस्कृत, फ्रेंच और फंग्शनल संस्कृत की परीक्षा, दोपहर की पाली में बीएससी तृतीय वर्ष जूलॉजी, जियोलाजी, फिजिकल एजुकेशन विषय और बीएससी छठे सेमेस्टर की परीक्षा हुई। वहीं, बीए छठे सेमेस्टर की भी उर्दू, संस्कृत, फ्रेंच और फंग्शनल संस्कृत की परीक्षा, दोपहर की पाली में बीएससी तृतीय वर्ष जूलॉजी, जियोलाजी, फिजिकल एजुकेशन विषय और बीएससी छठे सेमेस्टर की परीक्षा हुई। शाम की पाली में बीएससी (तीन वर्षीय) होम साइंस व बीएससी छठे सेमेस्टर की परीक्षा हुई।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय

16 केंद्रों पर होगी एमए समाजशास्त्र की परीक्षा

जागरण संवाददाता, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने एमए समाज शास्त्र की परीक्षा के लिए 16 केंद्र बनाए हैं।

लविवि प्रशासन ने सोमवार को परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. आनंद मुरारी ने बताया कि समाज शास्त्र की परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ आर्ट्स को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इसके साथ ही बीएसएनवी डिग्री कालेज, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय कन्या महाविद्यालय, हीरालाल यादव गर्ल्स डिग्री कालेज, महाराजा बिजली पासी गवर्नमेंट कालेज, श्रीजय नारायण डिग्री कालेज, लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका कालेज, सीडी गर्ल्स डिग्री कालेज, इरम डिग्री कालेज, रजत डिग्री कालेज, शिया पीजी कालेज, मुमजात डिग्री कालेज, काली चरण डिग्री कालेज, आइटी कालेज, आदर्श सतेन्द्र महाविद्यालय, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस डिग्री कालेज और श्रीदुर्गा शिक्षा निकेतन कालेज को परीक्षा केंद्र बनाया है।

मो. खालिद जमाली को जीव रसायन में पीजी डिप्लोमा

नई शिक्षा नीति के तहत मिलेगा पहला डिप्लोमा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2020-21 में अपने परास्नातक कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति के एकेडमिक बैंक क्रेडिट को लागू किया था।

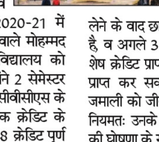

इसी क्रम में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री एग्जिट प्वाइंट का फायदा लेने के लिए जीव रसायन विभाग में सत्र 2020-21 में एमएससी में दाखिला लेने वाले मोहम्मद खालिद जमाली ने विश्वविद्यालय को आवेदन किया, जिसमें उन्होंने 2 सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के वाद सीबीसीएस के प्रावधान तथा एकेडमिक बैंक क्रेडिट के अनुपालन में एक वर्ष के 48 क्रेडिट पूर्ण करने पर जीव रसायन विषय में पीजी डिप्लोमा लेकर अपनी पढ़ाई अभी के लिए समाप्त करने के विषय में आग्रह किया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीबीसीएस के अंतर्गत किसी भी विद्यार्थी को 24 क्रेडिट के 4 सेमेस्टर करने होते है। 2 सेमेस्टर अर्थात 48 क्रेडिट पर अपने एकेडमिक क्रेडिट बैंक में प्राप्त कर लेने के वाद छात्र पीजी डिप्लोमा ले सकता है, व अगले 3 वर्ष में फिर आकर चाहे तो शेष क्रेडिट प्राप्त कर परास्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकता है। मोहम्मद खालिद जमाली को जीव रसायन में पीजी डिप्लोमा नियमतः उनके दूसरे सेमेस्टर के परिणामों की घोषणा के साथ दिया जाना था।

मोहम्मद खालिद जमाली प्रथम छात्र होंगे, जिन्हें नई शिक्षा नीति 2020 के तहत इस सुविधा का लाभ प्राप्त होगा और लखनऊ विश्वविद्यालय इसको यह डिप्लोमा उपलब्ध कराएगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि : बीए और बीएससी की परीक्षाएं शुरू

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से बीए अन्तिम वर्ष, अन्तिम सेमेस्टर और बीएससी अन्तिम वर्ष, अन्तिम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हुईं। परीक्षा के लिए एलयू समेत 38 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। बहुविकल्पीय आधार पर शुरू हुईं परीक्षाओं में पहले दिन प्रश्न पत्र बेहद सरल रहे। मुख्य कैम्पस से सुबह की पाली में परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों ने बताया कि प्रश्न पत्र साधारण था। प्रश्न पत्र हल करने के लिए तीन घंटे मिले थे। जिसे समय रहते ही पूरा कर लिया गया। बीए में छठे सेमेस्टर की परीक्षाओं में पहले दिन उर्दू, संस्कृत, फ्रेंच, फंक्शनल संस्कृत का पहला, दूसरा और तीसरा प्रश्न पत्र हल करना था। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 80 सवाल थे। जिनमें से छात्र को 40 सवालों का जवाब देना था। ऑफलाइन परीक्षाओं में सोमवार को स्नातक में होम साइंस और पीजी में विविध विषयों की परीक्षाएं तीन पालियों में हुईं।

आज से बीकॉम की परीक्षाएं : ऑफलाइन परीक्षाओं के अन्तर्गत मंगलवार से बीकॉम वार्षिक अन्तिम वर्ष और अन्तिम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। बीकॉम वार्षिक परीक्षाओं के अन्तर्गत पहले दिन दोपहर 2 से 4 बजे की पाली में माइक्रो इकोनॉमिक्स की परीक्षा होगी। सेमेस्टर परीक्षाओं में पहले दिन इंकम टैक्स लॉ एण्ड अकाउण्ट की परीक्षा छात्र 2 से 4 की पाली में देंगे।

पॉलिटेक्निक छात्र आवेदन फॉर्म में कर सकते हैं सुधार : पॉलिटेक्निक संस्थान में सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन में कोई गलती हुई है तो उसे सुधार सकते हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के प्रभारी सचिव राम रतन ने बताया कि सात अगस्त तक अभ्यर्थी आवेदन पत्र में सुधार ऑनलाइन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा की तिथि जल्द ही घोषित कर दी जाएगी।

आइटी में 16, नवयुग में 14 व नेशनल कॉलेज में दस अगस्त तक आवेदन

लखनऊ। यूपी बोर्ड सीबीएसई और आईएससी बोर्ड के 12 वीं के नतीजे जारी होने के बाद स्नातक में प्रवेश लेने की दौड़ तेज हो गई है। लविवि पहले ही आवेदन की तिथि 7 अगस्त तक बढ़ा चुका है, अब आईटी कॉलेज ने भी यूजी और पीजी पाठ्यक्रम में आवेदनके लिए 16 अगस्त तक तारीख बढ़ा दी है। आवेदन ऑफलाइन और आनलाइन दोनों माध्यम से किया जा सकता है। नवयुग में यूजी और पीजी की आवेदन तिथि को 14 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। नेशनल कॉलेज में यूजी और पीजी के लिए आवेदन 10 अगस्त तक किया जा सकता है।

एनईपी का लाभ देना वाला पहला विवि बना लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2020-21 में नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना था। जिसके बाद अब जीव रसायन विज्ञान से एमएससी करने वाले छात्र मो. खालिद जमाली एनईपी के तहत मल्टीपल एंट्री एग्जिट का लाभ लेने वाले देश के पहले छात्र बन गए हैं। इसी क्रम में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री एग्जिट प्वाइंट का फायदा अपने छात्रों तक सीधे पहुंचाने वाला पहला विश्वविद्यालय भी लखनऊ विश्वविद्यालय बना है। छात्र मोहम्मद खालिद जमाली ने विवि के जीव रसायन विभाग में 2020-21 में एमएससी में दाखिला लिया। खालिद जमाली ने हाल ही में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को आवेदन कर दो सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सीबीसीएस के प्रावधान और अकादमिक बैंक क्रेडिट के अनुपालन में एक वर्ष के 48 क्रेडिट पूर्ण कर पर जीव रसायन विषय में पीजी डिप्लोमा लेकर अपनी पढ़ाई अभी के लिए समाप्त करने के विषय में आग्रह किया।

PIONEER PAGE 4

खालिद जमाली बने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के तहत पीजी डिप्लोमा करने वाले एलयू के पहले छात्र

लखनऊ। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2020-21 में एमएससी जीव रसायन में प्रवेश लेने वाले मो खालिद जमाली लखनऊ विश्वविद्यालय के पहले छात्र बन गए हैं, जिन्होंने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के तहत पीजी डिप्लोमा हासिल किया है। इसके साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो इसको प्रदान करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी आयामों को पूरी तरह से अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना जब उसने सत्र 2020-21 में अपने परास्नातक कार्यक्रम में इस अकादमिक बैंक क्रेडिट को पूर्ण रूपेण लागू किया। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री एग्जिट प्वाइंट का फायदा अपने छात्रों तक सीधे पहुंचाने वाला पहला विश्वविद्यालय भी लखनऊ विश्वविद्यालय बना है। जिसके छात्र मोहम्मद खालिद जमाली ने विश्वविद्यालय के जीव रसायन विभाग में सत्र 2020-21 में एमएससी में दाखिला लिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

एलयू में ऑफ लाइन एग्जाम

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से स्नातक के अंतिम वर्ष व अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत हुई।ल एग्जाम के लिए 48 केंद्र बनाए गए हैं। विभिन्न विषयों की परीक्षाएं शिफ्ट वाइज होनी है।यूनिवर्सिटी प्रशासन ने परीक्षार्थियों को निर्देश देते हुए कहा

-वार्षिक और अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत हुई

है कि परीक्षा के दौरान कोविड गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। यूनिवर्सिटी के एग्जामिनेशन कंट्रोलर प्रो. एएम सक्सेना के मुताबिक मॉर्निंग शिफ्ट में बीए तृतीय वर्ष संस्कृत, फंग्शनल संस्कृत, फ्रेंच और उर्दू विषय की परीक्षा हुई।

वहीं, बीए छठे सेमेस्टर की भी उर्दू, संस्कृत, फ्रेंच और फंग्शनल संस्कृत की परीक्षा है। सेकंड शिफ्ट में बीएससी तृतीय वर्ष जूलॉजी, जियोलाजी, फिजिकल एजुकेशन विषय और बीएससी छठे सेमेस्टर में जूलॉजी विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी।वही शाम की शिफ्ट में बीएससी (तीन वर्षीय) होम साइंस और बीएससी छठे सेमेस्टर की परीक्षा होगी।-

एलयू की ओर से परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी गई है।जिन कोर्स के एग्जाम अभी तक नही शुरु हुए है उनके छात्र-छात्राएं 1 हजार रुपये विलंब शुल्क देकर 4 अगस्त तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से रविवार को यह सूचना जारी की गई।विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 29 जुलाई थी, लेकिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की ओर से परीक्षा फॉर्म न भर पाने की शिकायतें सामने आईं, जिसके मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला लिया है।

ऑनलाइन भरे जाएंगे एग्जामिनेशन फॉर्म -

स्नातक सम सेमेस्टर कक्षाओं-बीए, बीएस-सी, बी.कॉम (द्वितीय, चतुर्थ एवं छठें सेमेस्टर) एवं पीजी, प्रबन्धकीय पीजी, पीजी डिप्लोमा, प्रबन्धकीय यूजी, विधि (त्रिवर्षीय/आनर्स), डिप्लोमा, बी.काम (आनर्स), बीसीए, एमसीए, बी.एस-सी, एमएस-सी (एग्रीकल्चर), बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड ललित कला संकाय एवं अन्य सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के नियमित, बैक पेपर और इक्जेप्टेड परीक्षा सेमेस्टर मई-जून-2021, बीईएलएड 2021 (जिनकी परीक्षाएँ अभी प्रारम्भ नहीं हुई हैं) की परीक्षाओं के ऑनलाइन परीक्षाफार्म www. exam. luonline.in और www.lkouniv.ac.in पर भरे जा सकते हैं.

इम्प्रूवमेन्ट की परीक्षा के लिए केवल अन्तिम वर्ष, सेमेस्टर के अर्ह छात्रों का परीक्षाफार्म भरा जाना है, क्योंकि विश्वविद्यालय की ओर से केवल अन्तिम वर्ष, सेमेस्टर की परीक्षाएँ आयोजित की जानी हैं।इसलिए जिन कक्षाओं में छात्रों को प्रोन्नति दिया जाना है, उन छात्रों को इम्प्रूवमेन्ट परीक्षाफार्म नहीं भरना है।ऐसे छात्रों की परीक्षाएं कोविड-19 की परिस्थितियां सामान्य होने पर आयोजित की जाएंगी।

TOI PAGE 3

LU MSc boy first in India to avail exit option

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Mohammad Khalid Jamali pursuing MSc (Biochemistry) became the first Lucknow University student to take the benefit of multiple entry and exit option introduced in accordance with the New Education Policy 2020 in the postgraduation course last year.

The student after completing one year of the MSc course took an exit from the course on Monday. "LU was the first institute in the country to give students multiple entry and exit options at postgraduate level last year. Mohd Khalid Jamali has not only become the first student of Lucknow University, but also of the country to take benefit of the provision," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Jamali had submitted application to vice-chancellor Prof AK Rai for taking exit from the course. As he has completed his two semesters, his request was accepted, and he will be awarded PG diploma degree. Also, if at a later stage, he wants to complete his two-year PG degree, the doors are open for him.

THE NEP WAY

JANSANDESH TIMES PAGE 2

अकादमिक बैंक क्रेडिट का लाभ देने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ। 29 जुलाई 2020 को प्रस्तुत की गई नई शिक्षा नीति एनईपी 2020 के 1 साल पूरे होने के उपलक्ष पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए इस नीति के हित धारकों को बधाई दी थी। उन्होंने अपने व्याख्यान में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट को महती उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया। मल्टीपल एंट्री और एग्जिट के नए प्रावधानों को इस अकादमिक बैंक क्रेडिट से विशेष लाभ मिलने का विश्वास जताया। लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी आयामों को पूरी तरह से अपने पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना जब उसने सत्र 2020-21 में अपने परास्नातक कार्यक्रम में इस अकादमिक बैंक क्रेडिट को पूर्ण रूपेण लागू किया। इसी क्रम में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री एग्जिट प्वाइंट का फायदा अपने छात्रों तक सीधे पहुंचाने वाला पहला विश्वविद्यालय भी लखनऊ विश्वविद्यालय बना है जिसके छात्र मोहम्मद खालिद जमाली जिसने विश्वविद्यालय के जीव रसायन विभाग में सत्र 2020-21 में एम एस सी में दाखिला लिया ने हाल ही में माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को आवेदन प्रदान किया जिसमें उन्होंने 2 सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सीबीसीएस के प्रावधान तथा अकादमिक बैंक क्रेडिट के अनुपालन में एक वर्ष के 48 क्रेडिट पूर्ण कर पीजी डिप्लोमा लेकर अपनी पढ़ाई अभी के लिए समाप्त करने के विषय में आग्रह किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीबीसीएस के अंतर्गत किसी भी विद्यार्थी को 24 क्रेडिट के 4 सेमेस्टर करने होते हैं। 2 सेमेस्टर अर्थात 48 क्रेडिट पअपने अकादमिक क्रेडिट बैंक में प्राप्त कर लेने के बाद छात्र पीजी डिप्लोमा ले सकता है। व अगले 3 वर्ष में फिर आकर चाहे तो शेष क्रेडिट प्राप्त कर परास्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने यह निर्देश जारी किया कि मोहम्मद खालिद जमाली को जीव रसायन में पीजी डिप्लोमा नियमतः उनके दूसरे सेमेस्टर के परिणामों की घोषणा के साथ प्रदान कर दिया जाए। मोहम्मद खालिद जमाली देश के प्रथम छात्र होंगे जिन्हें नई शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रदान की गई इस सुविधा का लाभ प्राप्त होगा और लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो इसको प्रदान करेगा।

i-NEXT PAGE 2

एलयू में एबीसी योजना हुई लागू

नई शिक्षा नीति के तहत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट योजना को देश में सबसे पहले लखनऊ यूनिवर्सिटी ने लागू किया है. स्टूडेंट को मल्टीपल एंट्री और एग्जिट के लिए अकादमिक बैंक क्रेडिट से विशेष लाभ मिलेगा और उनका साल बर्बाद नहीं होगा. लखनऊ यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी आयामों को अपने कोर्स में शामिल कर देश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई है.